वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 294 गुरुवार 26 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में औद्योगिक विकास को मिली नई गति

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 से बनेगा बेहतर ईको-सिस्टम

बनेंगे औद्योगिक पार्क-बढ़ेगा निवेश-मिलेगा रोजगार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति मिली है। राज्य सरकार द्वारा 34 से अधिक नीतियां लागू की गई हैं, जिससे प्रदेश में निवेश के लिए बेहतर ईको-सिस्टम बन रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, अनुमोदन प्रक्रिया का सरलीकरण जैसे विभिन्न निर्णयों से प्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य बदला है। इसी क्रम में सरकार द्वारा राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 लाई गई है, जिससे विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास होगा तथा राजस्थान देश-विदेश में विश्वसनीय एवं फ्यूचर रैडी इंडस्ट्रियल डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित होगा।

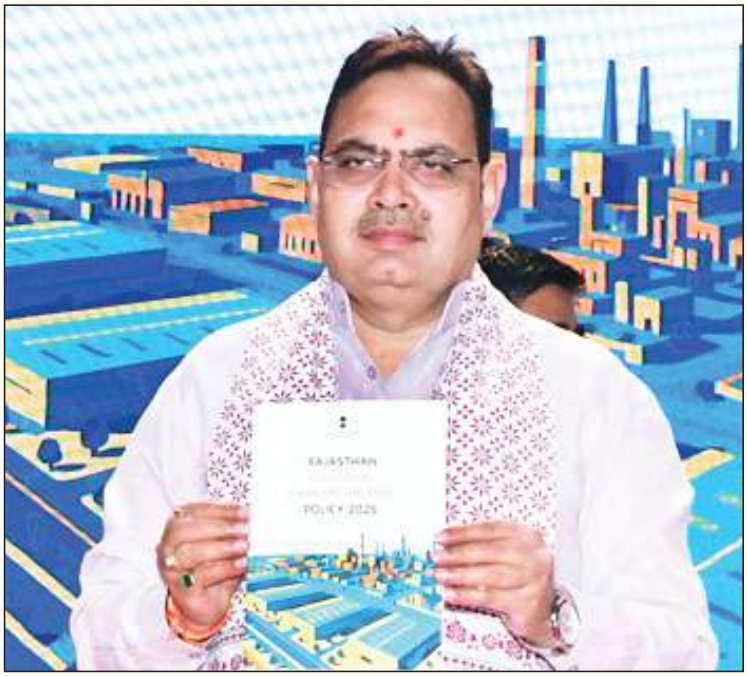

जयपुर. कासं

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राइजिंग, रिलायबल एण्ड रिसेप्टिव राजस्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास है। साथ ही, ये नीति मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी पूरा करने में मददगार साबित होगी। इस नीति के तहत विश्वस्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास, भूमि-जल-ऊर्जा संसाधनों का वैज्ञानिक एवं सतत उपयोग तथा लॉजिस्टिक्स सुविधाएं को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास भी सुनिश्चित होगा।

चार मॉडल से होगा औद्योगिक पार्कों का विकास

इस नीति के अंतर्गत निजी क्षेत्रों में औद्योगिक पार्कों को चार विकास मॉडलों पर विकसित किया जाएगा। मॉडल-ए में रीको द्वारा आवंटित भूमि पर पूरी तरह निजी डवलपर द्वारा विकास किया जाएगा। वहीं, मॉडल-बी के अंतर्गत औद्योगिक पार्क के लिए 80 प्रतिशत भूमि विकासकर्ता द्वारा एवं शेष 20 प्रतिशत भूमि रीको द्वारा निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। इसी तरह, मॉडल-सी के तहत पार्क के लिए संपूर्ण भूमि की विकासकर्ता द्वारा व्यवस्था की जाएगी तथा मॉडल-डी पीपीपी मॉडल पर आधारित होगा। नीति के तहत निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के लिए कम से कम 50 एकड़ क्षेत्रफल तथा न्यूनतम 10 औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होगी।

औद्योगिक पार्क तक बुनियादी ढांचे का होगा सुदृढ़ीकरण

राज्य सरकार औद्योगिक बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस नीति में भी अवसंरचना के प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा औद्योगिक पार्क तक जल एवं विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, औद्योगिक पार्क के निकटतम सड़क एवं सम्पर्क मार्ग का निर्माण करवाया जाएगा। इसके लिए 60 प्रतिशत राज्य सरकार एवं 40 प्रतिशत व्यय विकासकर्ता द्वारा वहन किया जाएगा तथा इसमें राज्य सरकार का अधिकतम अंशदान 3 करोड़ रुपये तक होगा।

हरित विकास को मिलेगा बढ़ावा

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति के तहत हरित विकास को बढ़ावा देने के साथ ही औद्योगिक प्रदूषण को भी कम किया जाएगा। इसके लिए सीईटीपी पर व्यय का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 12.5 करोड़ रुपये प्रति पार्क) का प्रावधान किया गया है। इस नीति के तहत प्रथम 10 औद्योगिक पार्क डवलपर्स को सामान्य अवसंरचना विकास पर 20 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान दिया जाएगा। इसकी अधिकतम सीमा 100 एकड़ क्षेत्रफल तक 20 करोड़ रुपये, 100 से 250 एकड़ क्षेत्रफल पर 30 करोड़ तथा 250 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल के लिए 40 करोड़ रुपये होगी।

सिंगल विंडो क्लीयरेंस से आवेदनों का होगा समयबद्ध निस्तारण

प्रदेश सरकार के पूर्ण पारदर्शी एवं जवाबदेही सुशासन के विजन का इस नीति में भी विशेष ध्यान रखा गया है। औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए प्रस्तावित भूमि की जानकारी राज निवेश पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इस पोर्टल पर सिंगल विंडो क्लीयरेंस के माध्यम से आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण हो सकेगा। नीति में कैप्टिव नवीकरणीय ऊर्जा पर 7 वर्ष तक 100 प्रतिशत विद्युत शुल्क छूट, स्टाम्प शुल्क एवं कन्वर्जन शुल्क में 25 प्रतिशत छूट तथा प्लग-एंड-प्ले ऑफिस कॉम्प्लेक्स एवं कॉमन यूटिलिटी सेंटर के लिए रिप्स-2024 के अंतर्गत अतिरिक्त प्रोत्साहन भी सम्मिलित हैं।

भक्तिमय भजनों की स्वर लहरियों से गूंजा अजमेर

महावीर जन्मोत्सव पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

अजमेर. शाबाश इंडिया

''माँ त्रिशला का नंदन जन्मा, कुंडलपुर हषार्या है'' जैसे भक्तिपूर्ण जयघोष के साथ अजमेर के घसेटी बाजार स्थित प्राचीन जिनालय में भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। 'श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग' द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का संयोजन अनीता पाटनी और शरबती गोधा के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी और युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा ने बताया कि जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित भजन संध्या में ''वीर जन्मे गाओ बधाई रे'' और ''मेरा महावीर सबसे न्यारा है'' जैसे गीतों पर जैन धर्मावलंबियों ने भावविभोर होकर नृत्य किया। कार्यक्रम का शुभारंभ णमोकार महामंत्र और भक्तामर पाठ के साथ हुआ, जिसके पश्चात प्रांशी जैन और खुशबू पाटनी सहित अन्य सदस्याओं ने मांगलिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया। सरावगी मोहल्ला इकाई की अध्यक्ष किरण गोधा ने जानकारी दी कि इस पावन अवसर पर सुषमा पाटनी, रिंकू कासलीवाल और बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित रहे। समारोह के समापन पर मधु पाटनी ने सहयोगी सदस्याओं का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। श्रद्धा और उल्लास से सराबोर इस आयोजन ने संपूर्ण क्षेत्र को महावीर के सिद्धांतों और भक्ति के रंग में रंग दिया।

संस्कारहीनता: एक चिंतन

यह एक ऐसा विषय है, जिस पर गंभीर चिंतन करना आज अत्यंत आवश्यक हो गया है। वर्तमान समय में इसका संकट इतना बढ़ गया है कि हमारे चारों ओर का वातावरण आत्मीयता और रिश्तों की सच्चाई से दूर होकर मात्र आडंबर बनकर रह गया है। आज स्थिति ऐसी है कि बड़े-बड़े उपदेशकों के उपदेशों तथा धर्मग्रंथों का भी लोगों पर कोई विशेष प्रभाव दिखाई नहीं देता।

पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

संस्कारहीनता से ग्रस्त हमारे तन-मन पर पाश्चात्य जीवन-शैली, चाल-चलन और तौर-तरीकों का रंग लगातार गहराता जा रहा है। पाश्चात्य संस्कृति ने विभिन्न रूपों में हमें प्रभावित किया है और हमारी सांस्कृतिक परंपराओं तथा श्रद्धा को कमजोर कर दिया है। हमारे रीति-रिवाज, खान-पान, बोलचाल—सबका पश्चिमीकरण तेजी से हो रहा है।

सही ही कहा गया है...

यह हवा कैसी चलने लगी,
रंग मिट्टी बदलने लगी।
आदमी पर्वतों पर चढ़ा,
आदमीयत फिसलने लगी।

संस्कार विहीनता का दुष्प्रभाव

आज माँ-बेटी, पिता-पुत्र सभी अपनी मयार्दाओं और आस्थाओं से दूर होते जा रहे हैं। संस्कारों की गरिमा हमारे जीवन से लुप्त होती दिखाई दे रही है, जिसके कारण मानवता चारों ओर सिसक रही है। संस्कारहीनता ने हमारी वास्तविक पहचान को जकड़ लिया है और हमें अमर्यादित बना दिया है। संस्कारों के अभाव में ही राक्षसी प्रवृत्तियाँ पनपती हैं। मन में स्वार्थ, लोभ, मोह, ईर्ष्या और अहंकार जैसे दोष बने रहते हैं, जिससे हमारा मन (जो एक 'मंगल गृह' होना चाहिए) शुद्ध और शांत नहीं बन पाता।

संस्कारों का महत्व

संस्कार ही मन को सुव्यवस्थित और संतुलित बनाते हैं। वर्तमान परिवेश में माता-पिता स्वयं संस्कारी बनकर ही अपने बच्चों को संस्कारों की ओर प्रेरित कर सकते हैं। आज हमारा रहन-सहन, वेश-भूषा, खान-पान, बोलचाल और शिक्षा—सब कहीं न कहीं संस्कारहीनता की ओर झुकते जा रहे हैं। विशेष रूप से वेशभूषा में आई विकृति चिंताजनक है।

आधुनिकता और संस्कारों का संकट

आज के युग में टीवी और वातानुकूलित कमरों की सुविधा के बीच संस्कारों की चमक फीकी पड़ती जा रही है। विज्ञान नए-नए आविष्कार कर सकता है, परंतु संस्कारों का निर्माण नहीं कर सकता। आधुनिकता के अंधानुकरण ने हमारी प्राचीन संस्कृति को कमजोर कर दिया है। मनुष्य, जो कभी रक्षक था, आज भक्षक बनने की ओर अग्रसर है। त्याग, समर्पण और एक-दूसरे के लिए बलिदान की भावना दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली ने ज्ञान तो दिया है, परंतु नैतिकता और आत्मिक विकास की उपेक्षा की है। सादगी के वस्त्र सत्कार कराते हैं, और वासना के वस्त्र बलात्कार कराते हैं। आज हमारी परंपराएँ और आध्यात्मिकता हमें पिछड़ेपन का प्रतीक लगने लगी हैं। यही हमारी सबसे बड़ी भूल है।

अंततः सार यही है कि देश स्वतंत्र होने के बावजूद आज भी हम वैचारिक रूप से स्वतंत्र नहीं हो पाए हैं। सांस्कृतिक, सामाजिक, व्यवहारिक और मानसिक गुलामी आज भी हमारे भीतर विद्यमान है। आवश्यकता है कि हम अपने संस्कारों को पहचानें, उन्हें अपनाएँ और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाएँ।

विचारक: चंदा सेठी
दुर्गापुरा, जयपुर

उदयपुर में 'किसना' के भव्य शोरूम का शुभारंभ

राजसी उपस्थिति और आकर्षक उपहारों की बौछार

उदयपुर. शाबाश इंडिया

'किसना हीरक एवं स्वर्ण आभूषण' (डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी) ने झीलों की नगरी उदयपुर के शक्ति नगर स्थित मुख्य मार्ग पर अपने छठे 'अनन्य विक्रय केंद्र' (एक्सक्लूसिव शोरूम) का भव्य श्रीगणेश किया है। यह विस्तार ब्रांड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

गरिमामयी उपस्थिति और राजसी सानिध्य

इस गौरवमयी उद्घाटन समारोह में 'मेवाड़ राजघराने' के 77वें संरक्षक श्रीजी हुजूर डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ राजसमंद की विधायक दीप्ति माहेश्वरी और 'हरि कृष्ण समूह' के संस्थापक व प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

उत्सव की सौगात: विशेष छूट और उपहार

उद्घाटन के पावन अवसर पर संस्थान ने ग्राहकों हेतु विशेष उपहार योजना प्रस्तुत की है। इसके अंतर्गत केवल उद्घाटन के दिन हीरक आभूषणों पर 5 प्रतिशत की अतिरिक्त रियायत दी गई। साथ ही, आगामी पर्वों को देखते हुए 'अक्षय प्रसन्नता अभियान' के तहत 'सबसे बड़ा उत्सव प्रस्ताव' घोषित किया गया है।

इस योजना की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं...

निर्माण शुल्क पर छूट: हीरक आभूषणों के निर्माण शुल्क पर 40 प्रतिशत और स्वर्ण आभूषणों के निर्माण शुल्क पर 30 प्रतिशत की सीधी छूट। **रजत उपहार:** चयनित खरीदारी पर ग्राहकों को 10 ग्राम और 20 ग्राम के 'रजत सिक्के' (चांदी के सिक्के) निःशुल्क भेंट किए जा रहे हैं।

विनिमय लाभ: पुराने स्वर्ण आभूषणों पर शत-प्रतिशत 'विनिमय मूल्य' का लाभ प्रदान किया जाएगा।

वित्तीय सुविधा: आईसीआईसीआई बैंक के ऋण एवं जमा पत्रकों (क्रेडिट-डेबिट कार्ड) पर 5 प्रतिशत की तत्काल छूट और 'मूल्य सुरक्षा' (रेट प्रोटेक्शन) की सुविधा, जिसके तहत मात्र 25 प्रतिशत अग्रिम भुगतान कर सोने के भाव सुरक्षित किए जा सकते हैं।

नेतृत्व का दृष्टिकोण

संस्थान के प्रबंध निदेशक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि 'हर घर किसना' के संकल्प के साथ हम प्रत्येक भारतीय परिवार तक बहुमूल्य आभूषणों की पहुँच सुलभ बनाना चाहते हैं। वहीं, मुख्य कार्यकारी अधिकारी पराग शाह ने उदयपुर की समृद्ध विरासत और कलात्मक अभिरुचि की सराहना करते हुए इसे संस्थान हेतु एक महत्वपूर्ण बाजार बताया। शोरूम के सहयोगी साझेदारों वरुण मुर्डिया, दीप्ति मुर्डिया, कुणाल बागरेचा और अंकिता बागरेचा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह केंद्र उत्कृष्ट डिजाइनों और भरोसे के साथ ग्राहकों को एक अतुलनीय अनुभव प्रदान करेगा।

सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन

व्यावसायिक सफलता के साथ-साथ संस्थान ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को भी बखूबी निभाया। इस अवसर पर निर्धनों हेतु 'अन्न वितरण अभियान', 'स्वच्छ भारत अभियान' के समर्थन में 'सफाई अभियान' और एक विशाल 'रक्तदान शिविर' का सफल आयोजन किया गया।

रिपोर्ट /फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

सत्संगति से सद्गति

मेरठ में श्रमणाचार्य श्री विमर्श सागर जी की धर्मदेशना

मेरठ. शाबाश इंडिया। महानगर मेरठ में इन दिनों अध्यात्म की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज अपने विशाल 35 पीछीधारी चतुर्विध संघ के साथ नगरवासियों को वात्सल्य, करुणा और धर्म के अद्भुत मोतियों से लाभान्वित कर रहे हैं। 24 मार्च की पावन बेला में, साधु सेवा समिति ने गाजे-बाजे के साथ आचार्य श्री की अगवानी की और उन्हें कमला नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में ससंघ लेकर आए। जैन समाज के अध्यक्ष सुरेश जैन 'ऋतुराज' ने गुरुवर को श्रीफल अर्पित करते हुए उनकी सरलता और सहज चर्या की सराहना की। उन्होंने कहा कि आचार्य श्री हमें शाश्वत आत्मिक धन से धनवान बनाने पधारे हैं। धर्मसभा को संबोधित करते हुए पूज्य आचार्य प्रवर ने 'सत्संगति' की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि जीव को उत्तम गति प्राप्त करनी है, तो उसे सच्चे देव-शास्त्र-गुरु की संगति अनिवार्य रूप से करनी चाहिए। गुरुवर ने स्पष्ट किया कि केवल निकटता ही सत्संगति नहीं है, अपितु सद्गुरु के वचनों को आचरण में उतारना ही वास्तविक सत्संगति है। जिस प्रकार गंगा में मिलकर नाले का जल भी पवित्र हो जाता है, उसी प्रकार क्षण भर की सत्संगति भी संपूर्ण जीवन को सार्थक कर देती है।

माँ के अनेक स्वरूप होते हैं...

ममता, करुणा, त्याग और सेवा का अद्भुत संगम

सोनल जैन की रिपोर्ट

नवरात्रि के इस पावन अवसर पर एक ऐसा ही दिव्य रूप देखने को मिला। एक बेटा अपनी माँ के लिए सुबह से शाम तक अइ पॉजिटिव रक्त की तलाश में चिंतित और व्याकुल था। हर प्रयास के बावजूद रक्त की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। संजीवनी रक्तदान संगठन के लगातार प्रयास भी उस समय असफल होते नजर आ रहे थे। तभी नवरात्रि के इस पवित्र पर्व में, माँ के साक्षात रूप में महिला रक्तदाता श्रीमती मधु शर्मा जी आगे आईं और निस्वार्थ भाव से रक्तदान कर उस जरूरतमंद माँ की जान बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह केवल रक्तदान नहीं, बल्कि माँ के उस स्वरूप का दर्शन है, जो हर रूप में सृष्टि की रक्षा करती है। ऐसे सेवाभावी कार्यों को शत-शत नमन मधु शर्मा जी को हृदय से धन्यवाद एवं साधुवाद, संजीवनी रक्तदान संगठन परिवार उनके इस पुनीत कार्य के लिए सदैव आभारी रहेगा।

वेद ज्ञान

बालिका शिक्षा का बदलता परिवेश

डॉली कुमारी

बिहार के ग्रामीण अंचलों में बालिका शिक्षा के परिदृश्य में पिछले कुछ वर्षों में युगांतरकारी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। यह बदलाव आकस्मिक नहीं है, बल्कि समय, निरंतर संघर्ष और जन-जागरूकता के छोटे-छोटे बीजों से पल्लवित होकर एक वटवृक्ष का रूप ले रहा है। सांख्यिकीय आंकड़े भी इस रूपांतरण की पुष्टि करते हैं। वर्ष 2001 में जहां बिहार में बालिका शिक्षा का स्तर मात्र 33.12 प्रतिशत था, वहीं 2021 तक यह बढ़कर 61.9 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह केवल एक शुष्क संख्या नहीं, बल्कि लाखों बेटियों के सपनों की उड़ान का जीवंत प्रमाण है। राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो भारत में महिला साक्षरता दर 2001 में लगभग 53.7 प्रतिशत थी, जो 2021 तक बढ़कर करीब 70 प्रतिशत के समीप पहुंच गई है। बिहार जैसे राज्य, जिन्हें कभी शिक्षा की दृष्टि से पिछड़ा माना जाता था, वहां यह प्रगति और भी गौरवपूर्ण हो जाती है। मुजफ्फरपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति जनमानस की सोच में आया बदलाव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मुसहरी प्रखंड के सितुआरा गांव में यह परिवर्तन स्पष्ट दिखाई देता है, जहां अब बेटियां घर की चारदीवारी को लांघकर विद्यालय और महाविद्यालय की ओर डग भर रही हैं। सितुआरा गांव की 20 वर्षीय चंदा इस नवचेतना का प्रतीक है। वह स्नातक की शिक्षा प्राप्त कर रही है और साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी संलग्न है। उसकी आंखों में झलकता आत्मविश्वास गांव की रूढ़िवादी सोच को चुनौती दे रहा है। चंदा के अनुसार, पूर्व में बालिकाओं की शिक्षा को गौण माना जाता था, किंतु अब स्थितियां बदल रही हैं। वह अपनी पुस्तकों को केवल ज्ञान का साधन नहीं, बल्कि अपनी स्वाधीनता की कुंजी मानती है। उसके लिए शिक्षा केवल उपाधि प्राप्त करना नहीं, अपितु आत्मनिर्भरता का मार्ग है। इस सकारात्मक बदलाव के केंद्र में बिहार सरकार की ''मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना'' की निर्णायक भूमिका रही है। इस योजना के अंतर्गत बालिकाओं को जन्म से लेकर स्नातक तक विभिन्न चरणों में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे निर्धन परिवारों को शिक्षा का व्यय वहन करने में संबल मिलता है।

संपादकीय

नए समीकरण और ममता का वर्चस्व

पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरणों की सुगबुगाहट अक्सर सियासी विमर्श को तीव्र कर देती है। वर्तमान में हुमायूं कबीर और 'अखिल भारतीय मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन' के मध्य संभावित गठबंधन की चर्चा इसी संदर्भ में देखी जा रही है। प्रश्न यह है कि क्या यह गठबंधन सत्ताधारी 'अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस' को निर्बल कर पाएगा? वास्तविकता यह है कि राज्य के ग्रामीण अंचलों में मुख्यमंत्री

ममता बनर्जी की छवि एक अत्यंत प्रभावशाली और जनप्रिय नेता की है। उन्हें 'दीदी' के संबोधन से मिलने वाला स्नेह उनकी राजनीतिक शक्ति का आधार है। ऐसे में ममता बनर्जी की जन-पकड़ को कम आंकना राजनीतिक भूल होगी। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहाँ कई राष्ट्र युद्ध की विभीषिका झेल रहे हैं और आपूर्ति शृंखला बाधित होने से महंगाई चरम पर है, वहां मत-बैंक (वोट बैंक) की राजनीति और भी संवेदनशील हो जाती है। पश्चिम बंगाल में मुस्लिम मतदाता एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं, जो अब तक व्यापक रूप से तृणमूल कांग्रेस के साथ रहे हैं। ओवैसी की पार्टी की रणनीति सदैव इसी मत-बैंक में सेंध लगाने की रही है, जैसा कि बिहार और अन्य राज्यों में देखा गया। यदि हुमायूं कबीर जैसे क्षेत्रीय प्रभाव वाले नेता उनके साथ आते हैं, तो मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर दिनाजपुर जैसे मुस्लिम बहुल सीमावर्ती जिलों में मतों का ध्रुवीकरण संभव है। हालांकि, इससे तृणमूल कांग्रेस को भारी क्षति होगी, यह कहना जल्दबाजी होगी। ममता बनर्जी का संगठनात्मक ढांचा अत्यंत सुदृढ़ है। इसके अतिरिक्त, बंगाल की राजनीति में 'बाहरी बनाम स्थानीय' का मुद्दा सदैव प्रभावी रहता है, जहाँ ओवैसी की पार्टी को प्रायः 'बाहरी' माना जाता है। दिलचस्प तथ्य यह है कि यदि विपक्षी मतों का बिखराव होता है, तो त्रिकोणीय संघर्ष में इसका प्रत्यक्ष लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिल सकता है। ममता बनर्जी का राजनीतिक जीवन जमीनी संघर्ष, सादगी और जीवटता की मिसाल है। 5 जनवरी 1955 को एक साधारण परिवार में जन्मी ममता ने छात्र जीवन से ही सक्रिय राजनीति में अपनी पहचान बनाई। 1998 में उन्होंने कांग्रेस से पृथक होकर 'अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस' की स्थापना की। यह उनके जीवन का सबसे बड़ा मोड़ था। वर्ष 2011 में उन्होंने 34 वर्षों के वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका और राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनीं। उनकी 'कन्याश्री' (महिला सशक्तिकरण), 'सबुज साथी' (छात्रों हेतु साइकिल) और स्वास्थ्य सुधार जैसी योजनाओं ने उन्हें जन-जन का प्रिय बनाया है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी ने पिछले कुछ वर्षों में राज्य में अपने संगठन को अत्यंत विस्तार दिया है। केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं और सांस्कृतिक पहचान के मुद्दों को उभारकर भाजपा स्वयं को एक सुदृढ़ विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर रही है। तृणमूल कांग्रेस को वर्तमान में सत्ता-विरोधी लहर, भ्रष्टाचार के आरोपों और आंतरिक असंतोष जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है। कई वरिष्ठ नेताओं का दल-परिवर्तन भी चिंता का विषय है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

डिजिटल युग में ठगी का बढ़ता जाल

सौरभ वार्ष्णेय

देश की राजधानी दिल्ली आज केवल राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं, बल्कि कूट-जाल (साइबर) और वित्तीय अपराधों का भी एक बड़ा केंद्र बनती जा रही है। यहाँ प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामले सामने आना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह विधि-व्यवस्था और तकनीकी सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 के प्रथम छह महीनों में ही लगभग 70 करोड़ रुपये से अधिक की राशि ठग ली गई है। इससे पूर्व वर्ष 2024 में यह आंकड़ा और भी भयावह था। ठगों की निर्लज्जता का आलम यह है कि वे ईंधन संकट जैसी आपदाओं को भी अवसर के रूप में भुना रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तकनीकी युग में ठगी के बढ़ते जाल से मुक्ति का एकमात्र मार्ग निरंतर जागरूकता और अटूट सतर्कता है। तकनीकी विस्तार के साथ ठगी के तरीके अब अत्यंत परिष्कृत और जटिल हो गए हैं। पूर्व में जहाँ जेबकतरी और प्रत्यक्ष धोखाधड़ी सामान्य थी, वहीं अब अंतर्जाल (इंटरनेट) छल, छद्म दूरभाष, प्रणाली अद्यतन के नाम पर धोखाधड़ी और निवेश के झूठे प्रलोभन जैसे अपराधों की बाढ़ आ गई है। सामान्य नागरिक, विशेषकर वरिष्ठ जन और तकनीकी रूप से कम दक्ष लोग, इन अपराधियों का सुलभ शिकार बन रहे हैं। अपराधी प्रायः विदेशी सेवा-प्रदाता (सर्वर), फर्जी दूरभाष कूट (सिम कार्ड) और डिजिटल बटुए का प्रयोग कर अपनी पहचान गुप्त रखते हैं, जिससे जाँच एजेंसियों के लिए कठिनाई उत्पन्न होती है। यह स्थिति बहुआयामी चिंता का विषय है। इससे न केवल तकनीकी लेनदेन पर जनता का विश्वास डगमगाता है, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक सुरक्षा और विधि प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए एक सुदृढ़ रणनीति आवश्यक है। सर्वप्रथम, कूट-अपराध शाखा को अत्याधुनिक यंत्रों और विशेष प्रशिक्षण से सुसज्जित करना होगा। द्वितीय, अधिकोषों (बैंकों) और भुगतान प्रणालियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था अभेद्य बनानी होगी। तृतीय, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक मंचों के माध्यम से तकनीकी साक्षरता का प्रसार करना होगा। हाल के महीनों में दिल्ली पुलिस ने इन अपराधियों के विरुद्ध आक्रामक अभियान छेड़ा है। 'अभियान साई-हॉक' के अंतर्गत उन केंद्रों पर नकेल कसी गई है जो फर्जी पहचान पत्र और पुरस्कार के नाम पर लूटपाट करते थे। किंतु यह समझना अनिवार्य है कि सुरक्षा केवल शासन या पुलिस का उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। तकनीकी ठगी केवल एक यंत्र-गत बाधा नहीं, अपितु जागरूकता के अभाव का परिणाम भी है। ठग अक्सर भय या लोभ उत्पन्न करने वाले संदेशों के माध्यम से लोगों को त्वरित निर्णय लेने पर विवश करते हैं। बचाव का मूल मंत्र यह है कि कोई भी प्रामाणिक संस्था कभी भी दूरभाष पर कूटशब्द (पासवर्ड) या गोपनीय सूचना नहीं मांगती। किसी भी अपरिचित कड़ी (लिंक) पर दबाव (क्लिक) न दें और केवल आधिकारिक अनुप्रयोगों का ही प्रयोग करें। यंत्र-गत सुरक्षा हेतु उपकरणों में अद्यतन सुरक्षा तंत्र रखना, जटिल कूटशब्द बनाना और 'द्वि-स्तरीय प्रमाणीकरण' का उपयोग करना जोखिम को न्यूनतम कर सकता है। यदि कोई ठगी का शिकार हो जाता है, तो विलंब किए बिना सहायता केंद्र संख्या '1930' या कूट-अपराध पटल पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए। अंततः, आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठाते समय सावधानी और विवेक का समन्वय ही वह कवच है, जो हमें इस अदृश्य जाल से सुरक्षित रख सकता है।

रुवा स्वर्ण जयंती समापनः महिला सशक्तिकरण और सामाजिक चेतना का भव्य संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संघ (रुवा) के 50 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा का स्वर्ण जयंती समापन समारोह अत्यंत गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित विविध शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने महिला सशक्तिकरण का प्रभावशाली संदेश दिया। समारोह की मुख्य अतिथि वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी सुश्री शुभ्रा सिंह ने अपने संबोधन में समाज की प्रगति हेतु महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को अपरिहार्य बताया। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में मनरेगा योजना की सराहना की। साथ ही, उन्होंने अंगदान जैसे मानवीय कार्यों के प्रति समाज को जागरूक और उत्तरदायी बनने हेतु प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि भारतीय वन सेवा अधिकारी सुश्री शिखा मेहरा ने रुवा के पाँच दशकों के कार्यों को रेखांकित करते हुए इसे सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने आयोजन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ रुवा गीत और अध्यक्ष प्रो. अमला बत्रा के स्वागत उद्बोधन से हुआ। प्रो. लाड़ कुमारी जैन ने संस्था की प्रेरणादायक यात्रा का परिचय प्रस्तुत किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर रुवा की विशेष 'स्मारिका पत्रिका' का विमोचन किया गया तथा प्रो. रश्मि जैन, प्रो. जया चक्रवर्ती, प्रो. अंशु डांडिया एवं प्रो. गीता चतुर्वेदी को उनकी विशिष्ट सेवाओं हेतु सम्मानित किया गया। अंत में सचिव प्रो. उर्मिल तलवार ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। यह स्वर्ण जयंती समारोह रुवा के संकल्पबद्ध भविष्य की नई आधारशिला सिद्ध हुआ।

श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों से गुंजायमान हुआ नेहरू नगर

31वां नवान्ह पारायण महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुलाबी नगरी के नेहरू नगर स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में भक्ति की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर 'श्री राधे रानी प्रभातफेरी मंडल' के तत्वावधान में आयोजित 31वें नवान्ह पारायण महोत्सव के अंतर्गत श्रद्धालुओं ने सामूहिक पाठ के माध्यम से प्रभु श्रीराम की महिमा का गुणगान किया। महोत्सव के विशेष सत्र में बुधवार को अरण्य कांड, किष्किंधा कांड, सुंदर कांड और लंका कांड की चुनिंदा चौपाइयों का पाठ किया गया। आयोजन समिति के सदस्य सुभाष खंडेलवाल और लोकेश पाराशर ने बताया कि मंदिर परिसर में स्थापित 251 पवित्र आसनों पर बैठकर भक्तों ने एकाग्रचित्त होकर रामकथा का वाचन किया। व्यासपीठ से रामस्वरूप नाटाणी के कुशल निर्देशन में अरण्य कांड की 17, किष्किंधा कांड की 30, सुंदर कांड की 60 और लंका कांड की 12 चौपाइयों का सामूहिक गान हुआ। जब मसक समान रूप कपि धरी, लंकहि चलेउ सुमिरि नरहरी और जामवंत के बचन सुहाए, सुनि हनुमंत हृदय अति भाए जैसी सुमधुर चौपाइयां गूँजी, तो संपूर्ण वातावरण भक्ति के रस में सराबोर हो उठा। पाठ के दौरान हनुमान जी के लंका प्रस्थान और विभीषण शरणागति के प्रसंगों ने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। प्रभु श्रीराम के जयकारों से मंदिर प्रांगण निरंतर गुंजायमान रहा। यह भक्तिमय अनुष्ठान 27 मार्च तक प्रतिदिन सायं 6 बजे आयोजित किया जाएगा, जिसमें नगर के श्रद्धालु बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

घुवारा पंचकल्याणक

वैराग्य के पथ पर आदि कुमार, अश्रुपूरित नयनों से दी गई विदाई

घुवारा. शाबाश इंडिया। छतरपुर जिले के घुवारा में आयोजित भव्य पंचकल्याणक महोत्सव के चतुर्थ दिवस 'तप कल्याणक' का मार्मिक चित्रण देखने को मिला। मुनि श्री 108 सुव्रत सागर जी महाराज एवं आर्यिका श्री 105 ओम श्री माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में चल रहे इस उत्सव में भगवान ऋषभदेव के दीक्षा पूर्व के प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। महोत्सव के विशेष आकर्षण में महाराजा नाभि राय द्वारा आदि कुमार का राज्याभिषेक और नीलांजना का वैराग्य प्रदीपक नृत्य प्रदर्शित किया गया। नीलांजना के नश्वर जीवन को देख आदि कुमार को आत्मज्ञान हुआ और उन्होंने राजसी ठाठ-बाट त्याग कर वन की ओर प्रस्थान किया। इस हृदयस्पर्शी दृश्य के दौरान माता मरुदेवी और महाराजा नाभि राय ने अश्रुपूरित नयनों से अपने पुत्र को आत्म-कल्याण हेतु विदा किया, जिसे देख पंडाल में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं की आँखें छलक उठीं। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री सुव्रत सागर जी महाराज ने कहा, ''यदि परमात्मा बनना है, तो तपना अनिवार्य है। जिस प्रकार स्वर्ण अग्नि में तपकर शुद्ध होता है, उसी प्रकार तप ही आत्मा की वास्तविक शक्ति को प्रकट करने और कर्मों के क्षय का पवित्र मार्ग है।'' उन्होंने प्रेरणा दी कि हमें सांसारिक संपत्ति के स्थान पर 'रत्नत्रय' रूपी आत्मिक रत्नों को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि महोत्सव के शेष भाग में चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज का मंगल सानिध्य प्राप्त होगा, जिनका आगमन आज 26 मार्च को हो रहा है।

संसार के प्रति आशक्ति ही दुखों का कारण है: आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज

आत्म कल्याण की भावना से की नवदेवताओ की पूजा, श्रावकों ने पूजा में भक्ति भाव से अर्घ्य अर्पित किए

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में चित्रकूट कॉलोनी कंवर का बाग में चल रहे सर्वतोभद्र महामंडल विधान में सातवें दिन 10 पूजाओं में 209 अर्घ्य अर्पित किए गए। अध्यक्ष अनिल काशीपुरा एवं संयोजक सुनील लोहे वाले ने बताया कि प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद नित्य नियम पूजा एवं विधान शुरू हुआ जिसमे नवदेवताओं एवं वर्तमान चौबीस तीर्थंकरों की भक्ति भाव से संगीतमय पूजा कर आत्म कल्याण की कामना की एवं इन्द्र द्वारा अर्घ्य अर्पित किए गए। शांतिधारा के बाद पाद प्रक्षालन किए गए। समाजसेवी अनिल बनेठा , सत्यप्रकाश कासलीवाल एवं अनुपमा जैन कोटा ने शास्त्र भेंट किया। महा आरती की गई। आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने प्रवचन करते हुए कहा कि संसार एवं विषयों की आशक्ति ही दुखों का कारण है । लोग जब तक बाहरी आशक्ति में लगे रहेंगे तब तक आत्म कल्याण नहीं हो सकता है । आज व्यक्ति कहता है कि उसके ग्रह खराब है उसके ग्रहों की दिशा सही नहीं चल रही है इस प्रकार अपने दुखों का कारण ग्रहों को मानता है। वास्तव में व्यक्ति ग्रहों से नहीं बल्कि अपने परिग्रहों से दुखी है । उसकी भूख मिट नहीं रही है बस अशक्ति के वशीभूत होकर संसार में भटक रहा है । अगर आप सुखी रहना चाहते हो तो संतोषी जीवन जीना शुरू करो ।रक्तदान की महत्ता बताते हुए कहा की इस से हम दूसरी को जीवन बचा सकते है जो की भगवान महावीर के जिओ और जीने दो के सिद्धांत को चरितार्थ करता है। प्रशासनिक समन्वयक महावीर सुरेंद्र जैन एडवोकेट ने बताया कि गुरुवार को 15 पूजाये की जाएगी तथा 9 बजे आचार्य श्री के मंगल प्रवचन होंगे।

मर्यादा पुरुषोत्तम का जन्मोत्सव

आज मनाई जाएगी रामनवमी

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को संपूर्ण राष्ट्र में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन के अनुसार, इस वर्ष रामनवमी का पावन व्रत और पूजन 26 मार्च, गुरुवार को करना ही शास्त्रसम्मत और सर्वश्रेष्ठ है।

शुभ मुहूर्त और गणना

गणना के अनुसार, नवमी तिथि का प्रारंभ 26 मार्च को पूर्वाह्न 11:48 बजे होगा, जो अगले दिन 27 मार्च को प्रातः 10:06 बजे समाप्त होगी। चूँकि भगवान राम का प्राकट्य मध्याह्न काल में हुआ था और इस वर्ष मध्याह्न व्यापिनी नवमी तिथि केवल गुरुवार को ही प्राप्त हो रही है, अतः व्रत और जन्मोत्सव इसी दिन मनाया जाएगा। पूजन हेतु विशेष शुभ मुहूर्त दोपहर 11:10 बजे से 01:37 बजे तक रहेगा, जिसमें मध्याह्न का परम श्रेष्ठ क्षण दोपहर 12:23 बजे होगा।

धार्मिक महत्व और विधि

रामायण के अनुसार, यह दिन अधर्म पर धर्म की विजय और सत्य की स्थापना का प्रतीक है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने से मानसिक शांति, आत्मिक बल और पारिवारिक सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। गुरुवार प्रातः काल स्नानादि के पश्चात व्रत का संकल्प लें। पूजन हेतु चौकी पर लाल वस्त्र बिछाकर प्रभु श्री राम का चित्र स्थापित करें। पंचामृत और गंगाजल से अभिषेक कर उन्हें पुष्प, तुलसी दल और नैवेद्य अर्पित करें। मध्याह्न काल में विशेष आरती करें और रामचरितमानस का पाठ करना पुण्यदायी माना जाता है।

भीलवाड़ा में शिव महापुराण की गूंज

आयोजन समिति ने जयपुर में किया पंडित प्रदीप मिश्रा का भव्य स्वागत

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी भीलवाड़ा में आगामी 8 से 14 अप्रैल तक होने वाली श्री शिव महापुराण कथा के निमित्त उत्साह का वातावरण निर्मित हो गया है। कथा के वाचन हेतु पधार रहे प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का स्वागत करने के लिए गुरुवार को भीलवाड़ा से आयोजन समिति के पदाधिकारी जयपुर पहुँचे।

संतों के सान्निध्य में आशीर्वाद ग्रहण

संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी जी महाराज एवं हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदास जी महाराज के पावन सान्निध्य में समिति के सदस्य जयपुर पहुँचे। वहाँ उन्होंने पंडित प्रदीप मिश्रा से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया और भीलवाड़ा में कथा हेतु चल रही तैयारियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

मेवाड़ी परंपरा से अभिनंदन

समिति के अध्यक्ष एवं विधायक अशोक कोठारी तथा कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने मेवाड़ी परंपरा के अनुसार पंडित प्रदीप मिश्रा को पगड़ी पहनाकर और दुपट्टा ओढ़ाकर भावभीना सम्मान किया। पदाधिकारियों ने बताया कि मेवाड़ क्षेत्र में प्रथम बार आयोजित हो रही इस शिव महापुराण कथा को लेकर लाखों शिव भक्तों में भारी कौतुक है और वे बड़ी उत्सुकता से गुरुवर के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

विशाल व्यवस्थाएँ और सेवा संकल्प

आजादनगर स्थित आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के बैठने हेतु विशाल गुंबद (डोम) निर्माण का कार्य तीव्रता से प्रारंभ हो चुका है। आयोजन समिति ने सुनिश्चित किया है कि कथा श्रवण हेतु आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को पेयजल, बैठक और अन्य आवश्यक सुविधाएँ सुलभता से प्राप्त हों। इसके लिए समिति के सदस्य और सेवादार समर्पित भाव से दिन-रात जुटे हुए हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा ने भीलवाड़ा से आए सभी पदाधिकारियों को अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए कामना की कि यह कथा सभी भक्तजनों के सहयोग से ऐतिहासिक रूप से सफल सिद्ध हो। स्वागत करने वालों में अध्यक्ष अशोक कोठारी, राधेश्याम सोमानी, व्यवस्था प्रभारी सुनील जागेटिया, सह-संयोजक सत्येंद्र बिरला, सचिव बद्रीलाल सोमानी, ललित सोमानी, भोजन व्यवस्था प्रभारी राजेश कुदाल, प्रशासनिक प्रभारी अर्पित कोठारी और सत्यनारायण सेन सहित अनेक गणमान्य जन सम्मिलित थे।

"महावीर और हमारा आज": राजस्थान जैन सभा की युवाओं को धर्म से जोड़ने की अनूठी पहल

जनकपुरी जैन मंदिर में संपन्न हुआ सेमीफाइनल; कीर्ति नगर में आज होगा भव्य निर्णायक चरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन सभा, जयपुर द्वारा 10 से 25 वर्ष के युवाओं को भगवान महावीर के सिद्धांतों से जोड़ने के उद्देश्य से ''महावीर और हमारा आज'' विषय पर चार चरणों वाली जैन संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के तीसरे चरण (उप-अंतिम दौर) का सफल आयोजन जनकपुरी स्थित दिगंबर जैन मंदिर में अत्यंत गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ।

सेमीफाइनल का संक्षिप्त विवरण

इस चरण में विभिन्न क्षेत्रों से चयनित 53 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवा वक्ताओं ने समाज में बढ़ता अकेलापन और मानसिक तनाव तथा शारीरिक स्वास्थ्य वृद्धि में उपवास की भूमिका जैसे समसामयिक विषयों पर अपने तार्किक और प्रेरणादायी विचार प्रस्तुत किए। गहन मूल्यांकन के पश्चात, 25 प्रतिभाशाली प्रतिभागियों का चयन अंतिम निर्णायक चरण (फाइनल) के लिए किया गया है। सभा के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन और महामंत्री मनीष बैद ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए इस पहल को संस्कारों की सुरक्षा हेतु मील का पत्थर बताया। कार्यक्रम के दौरान संरक्षक पदम जैन बिलाला ने बच्चों को पुरस्कृत किया, जबकि मंदिर अध्यक्ष बुद्धि प्रकाश जैन ने सभी आगंतुकों का आत्मीय स्वागत किया।

आज होगा भव्य 'ग्रैंड फिनाले' (महा-मुकाबला)

प्रतियोगिता का अंतिम और निर्णायक चरण आज गुरुवार, 26 मार्च को दोपहर 1:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक कीर्ति नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित होगा।

निर्णायक चरण के मुख्य विषय

युवाओं की दृष्टि में जैन धर्म का स्वरूप।
संस्कारों हेतु जैन पाठशालाओं की भूमिका।

अतिथि और पुरस्कार योजना

मुख्य संयोजक राखी जैन के अनुसार, इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि अशोक-शकुंतला चाँदवाड़ होंगे। दीप प्रज्ज्वलन मनीष-नीतू सोगानी द्वारा किया जाएगा। विशिष्ट अतिथियों में सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक, विधायक कालीचरण सराफ, मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन और पूर्व महापौर पुनीत कर्णावट सम्मिलित होंगे।

विजेताओं हेतु विशेष नकद पुरस्कारों की घोषणा की गई है:

प्रथम स्थानः रुपए15,000
द्वितीय स्थान (दो प्रतियोगी): रुपए 11,000 (प्रत्येक)
तृतीय स्थान (तीन प्रतियोगी): रुपए 7,500 (प्रत्येक)
इसके अतिरिक्त पाँच प्रतिभागियों को 'सांत्वना पुरस्कार' प्रदान किया जाएगा।

उद्देश्य और संचालन

परामर्शक कमल बाबू जैन और मुख्य संयोजक राखी जैन ने बताया कि इस आयोजन का मूल उद्देश्य युवाओं को जैन दर्शन के वैज्ञानिक स्वरूप से परिचित कराना और उन्हें अपनी अभिव्यक्ति हेतु एक सशक्त मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के सफल संचालन में अनिता बैद, चंदा सेठी, दिनेश जैन और समस्त संयोजक मंडल का विशेष योगदान रहा। राजस्थान जैन सभा ने सभी चयनित 25 प्रतिभागियों को अंतिम दौर हेतु अपनी मंगलकामनाएं प्रेषित की हैं।

केसर चौराहे पर प्रथम बार विशाल रक्तदान एवं चिकित्सा शिविर

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने किया पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति द्वारा एक ऐतिहासिक सेवा प्रकल्प की रूपरेखा तैयार की गई है। केसर चौराहे की इस पावन धरा पर प्रथम बार आयोजित होने वाले विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा शिविर की तैयारियों के क्रम में समिति के पदाधिकारियों ने राजस्थान के माननीय उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से शिष्टाचार भेंट की।

पोस्टर विमोचन और निमंत्रण

इस भेंट के दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने शिविर के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन किया और मंदिर समिति के इस मानवीय प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। समिति के अध्यक्ष अजय गोधा, सामान्य मंत्री विनीत जैन छाबड़ा, कार्यकारिणी सदस्य अनिल जैन एवं मोहित पाटनी ने उपमुख्यमंत्री को इस पुनीत कार्य की विस्तृत जानकारी दी और उन्हें कार्यक्रम में 'मुख्य अतिथि' के रूप में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया।

सेवा और समर्पण का संकल्प

मंदिर समिति ने बताया कि महावीर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत को चरितार्थ करना है। केसर चौराहे पर पहली बार इतने व्यापक स्तर पर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श के साथ-साथ रक्तदान का महादान भी संपन्न होगा। उपमुख्यमंत्री ने समिति को अपनी मंगलकामनाएं प्रेषित करते हुए समाज सेवा के इस मार्ग पर निरंतर अग्रसर रहने हेतु प्रोत्साहित किया।

नवागढ़ में गूंजी ज्ञान की गूंज

दो दिवसीय जिनवाणी संरक्षण कार्यशाला संपन्न

नवागढ़ (बकस्वाहा). शाबाश इंडिया। निकटवर्ती प्रागैतिहासिक क्षेत्र नवागढ़ में अतिप्राचीन और दुर्लभ जैन ग्रंथों के वैज्ञानिक संरक्षण हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन 'प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाब चंद्र पुष्प पुस्तकालय' में संपन्न हुआ। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संजीव सराफ के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर के पुस्तकालय विज्ञान विशेषज्ञों और शोधार्थियों ने अपनी सेवाएँ अर्पित कीं। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नवागढ़ गुरुकुलम में संग्रहित इतिहास, ज्योतिष, अध्यात्म और चारों अनुयोगों (प्रथमानुयोग, करणानुयोग, चरणानुयोग, द्रव्यानुयोग) से संबंधित हस्तलिखित एवं मुद्रित साहित्य का अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार वर्गीकरण करना था। डॉ. संजीव सराफ ने यहाँ की संपदा को 'अमूल्य धरोहर' बताते हुए कहा कि 8,000 वर्ष प्राचीन शैलचित्रों और गुप्तकालीन कलाकृतियों के मध्य स्थित यह पुस्तकालय भारतीय ज्ञान परंपरा का जीवंत केंद्र है। विशेषज्ञों के दल ने आचार्य विद्यासागर जी महाराज सहित अनेक महान आचार्यों के साहित्य को क्रमबद्ध कर उनका नामांकन किया। इस पुनीत कार्य में ग्वालियर, विदिशा, लखनऊ, सागर और छतरपुर के शोधार्थियों के साथ-साथ नवागढ़ गुरुकुल की प्राचार्य ब्र. संध्या दीदी और स्थानीय छात्रों ने सक्रिय योगदान दिया। कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों ने अतिशयकारी भगवान अरनाथ का अभिषेक और पूजन कर अपनी विद्या के सदुपयोग का संकल्प लिया। समापन अवसर पर क्षेत्र के पदाधिकारियों ने विशेषज्ञों का भावभीना स्वागत किया। शोधार्थियों ने इस दुर्लभ साहित्य को भविष्य में पूर्णतः संगणकीकृत (कंप्यूटराइज्ड) करने और आधुनिक प्रबंधन तंत्र विकसित करने हेतु पुनः आने का शुभ संकल्प लिया। नवागढ़ की इस पावन धरा पर प्राचीन साहित्य के संरक्षण का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान के द्वार खोलने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

दसवीं के बाद विषय चयन

अंक नहीं, अभिरुचि और मानसिक कौशल तय करेंगे भविष्य

डॉ. नयन प्रकाश गांधीः इंटरनेशनल एनएलपी लाइफ करियर कोच, कोटा (राजस्थान)

हाल ही में राजस्थान बोर्ड के दसवीं कक्षा के परिणाम आ चुके हैं। इसके साथ ही सीबीएसई बोर्ड एवं अन्य राज्यों के दसवीं बोर्ड के परिणाम भी आने वाले हैं। परिणाम के बाद का समय किसी भी विद्यार्थी के जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ होता है। यही वह चरण है, जहाँ लिया गया निर्णय उसके पूरे भविष्य की दिशा निर्धारित करता है। इसलिए विषय चयन को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया समझना उचित नहीं है, बल्कि इसे सोच-समझकर लिया गया एक रणनीतिक निर्णय माना जाना चाहिए। अक्सर देखा जाता है कि पेरेंट्स विषय चयन को केवल अंकों (मार्क्स) के आधार पर या मित्रों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों की सोच से प्रभावित होकर तय करते हैं। यदि बच्चा अच्छे अंक ले आता है, तो उसे सीधे साइंस में भेज दिया जाता है, जबकि उसकी वास्तविक रुचि, क्षमता और सोचने के तरीके पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। यही वह गलती है, जो आगे चलकर बच्चे के करियर में असंतुलन और मानसिक तनाव का कारण बनती है। वास्तविकता यह है कि हर बच्चा अलग होता है। उसकी रुचि (इंटरेस्ट), क्षमता (एप्टीट्यूड) और मानसिक संरचना (माइंडसेट) भिन्न होती है। ऐसे में एक जैसा निर्णय सभी पर लागू करना सही नहीं है। सही विषय चयन वही है, जो बच्चे की स्वाभाविक रुचि और योग्यता के अनुरूप हो। आज के समय में विषयों और करियर के विकल्पों की विविधता पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी है। दसवीं के बाद विद्यार्थियों के पास साइंस, कॉमर्स, आर्ट्स (ह्यूमैनिटीज) के साथ-साथ वोकेशनल कोर्सेज और डिप्लोमा प्रोग्राम्स जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं। साइंस में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स या बायोलॉजी के माध्यम से इंजीनियरिंग, मेडिकल और रिसर्च के क्षेत्र खुलते हैं। वहीं कॉमर्स के साथ अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज और इकोनॉमिक्स के जरिए फाइनेंस, चार्टर्ड अकाउंटेंसी और मैनेजमेंट में अवसर मिलते हैं।

आर्ट्स में भी अब व्यापक संभावनाएं हैं: जैसे साइकोलॉजी, मीडिया, सिविल सर्विस, सोशल वर्क, पब्लिक पॉलिसी और अन्य सोशल साइंसेज। इसके अलावा कई क्षेत्रों में प्रबंधन (मैनेजमेंट) के उच्चस्तरीय करियर में भी आर्ट्स ग्रेजुएट्स को प्राथमिकता दी जाती है। इसलिए यह आवश्यक है कि विषय चयन से पहले बच्चे की क्षमता को वैज्ञानिक तरीके से समझा जाए। साइकोमेट्रिक असेसमेंट और एप्टीट्यूड टेस्ट जैसे उपकरण इस दिशा में अत्यंत उपयोगी हैं। एक प्रशिक्षित करियर कोच की मदद से पेरेंट्स अपने बच्चे के बेहतर करियर प्रबंधन और संकाय चयन के लिए सही मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। जब विद्यार्थी प्रत्येक संकाय में उपलब्ध करियर विकल्पों के समेकित रोडमैप से परिचित होते हैं, तो वे आत्मविश्वास के साथ सही विषयों का चयन कर पाते हैं। इससे वे अपने शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म लक्ष्यों के अनुरूप बेहतर करियर दिशा तय कर सकते हैं। आज करियर कोच की भूमिका इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि करियर विकल्पों की संख्या बहुत अधिक है, लेकिन उनकी सही जानकारी का अभाव रहता है। अक्सर देखा जाता है कि विद्यार्थी बिना रुचि और जानकारी के केवल अंकों के आधार पर साइंस, कॉमर्स या अन्य विषय चुन लेते हैं। वे यह नहीं समझते कि उन विषयों में उनके लिए करियर की क्या संभावनाएं हैं। एक प्रशिक्षित करियर कोच न केवल बच्चे की रुचि का विश्लेषण करता है, बल्कि उसकी मानसिक क्षमता, व्यावहारिक समझ, सामाजिक पृष्ठभूमि और समग्र व्यक्तित्व को समझकर उचित मार्गदर्शन देता है। वह हर संकाय से जुड़े करियर विकल्पों को व्यवस्थित रूप से समझाता है, जिससे विद्यार्थी एक स्पष्ट और विस्तृत करियर रोडमैप तैयार कर सके। इस प्रक्रिया से बच्चे में आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अपनी रुचि के अनुसार सही करियर का चयन कर पाता है। यहाँ पेरेंट्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्हें बच्चों के साथ खुला संवाद (ओपन कम्युनिकेशन) बनाए रखना चाहिए। बच्चों की इच्छाओं, उनके डर और उनकी सोच को समझना जरूरी है। यदि पेरेंट्स एक मित्र और मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं, तो बच्चा अधिक आत्मविश्वास के साथ सही निर्णय ले पाता है। यह भी आवश्यक है कि विषय चयन को सामाजिक प्रतिष्ठा से न जोड़ा जाए। ''साइंस ही सबसे अच्छा है'' या 'आर्ट्स में स्कोप नहीं है' जैसी धारणाएँ अब बदल चुकी हैं। आज का युग मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन का है, जहाँ हर क्षेत्र में अवसर उपलब्ध हैं—बशर्ते सही दिशा और मेहनत हो। एक सही विषय चयन न केवल बच्चे के करियर को दिशा देता है, बल्कि उसके आत्मविश्वास और संतुष्टि को भी बढ़ाता है। यदि यह निर्णय समझदारी और संतुलन के साथ लिया जाए, तो वही बच्चा भविष्य में एक सफल और जिम्मेदार नागरिक बन सकता है। अतः दसवीं के बाद विषय चयन एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण निर्णय है। पेरेंट्स और विद्यार्थियों को चाहिए कि वे इसे जल्दबाजी या दबाव में न लें, बल्कि सोच-समझकर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आपसी संवाद के आधार पर निर्णय लें।

महावीर जयंती महोत्सव: वात्सल्य मूर्ति मुनि श्री प्रज्ञा सागर जी के कर-कमलों से हुआ भव्य पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी जयपुर के केसर चौराहा स्थित श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आगामी 29 एवं 30 मार्च (रविवार व सोमवार) को आयोजित होने वाले दो दिवसीय 'महावीर जयंती महोत्सव' का उल्लास प्रारंभ हो गया है। कार्यक्रम की सफलता हेतु सर्वप्रथम भगवान श्री केसरिया पार्श्वनाथ के चरणों में मंगल प्रार्थना की गई, जिसके पश्चात भव्य पोस्टर विमोचन समारोह संपन्न हुआ।

मुनि श्री का सानिध्य और विमोचन

इस पुनीत अवसर पर वात्सल्य मूर्ति और भूमि प्रणेता मुनि श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में 'सर्वतोभद्र महामंडल विधान' के मध्य महोत्सव के आधिकारिक पोस्टर का विधिवत विमोचन किया गया। मुनि श्री ने इस सेवाभावी आयोजन हेतु अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

समाज के अग्रणी बंधुओं की उपस्थिति

विमोचन समारोह के दौरान समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व श्री अनिल बनेठा, राजेश चौधरी, आशीष जैन, चेतन निमोडिया एवं नितिन जैन सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। आयोजक समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों को इस दो दिवसीय महोत्सव में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया।

समिति एवं आयोजक मंडल

कार्यक्रम की सफलता हेतु श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के महावीर कासलीवाल, अजय गोधा, विनय जैन, संजय बड़जात्या, विकास जैन, कमलेश जैन, मनोज गोधा, अनिल जैन एवं विनीत जैन

छाबड़ा पूर्ण तत्परता से व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। आयोजन के मुख्य समन्वयक दर्शन-विनीता बाकलीवाल, राकेश-समता गोदिका, भूपेंद्र-रितु जैन एवं विनीत-विजेता छाबड़ा ने समस्त समाज एवं नगरवासियों से अपील की है कि वे इस महोत्सव के दौरान आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लें। उन्होंने इस मानवीय कार्य के माध्यम से आयोजन को 'ऐतिहासिक' और 'सेवाभावी' बनाने का आह्वान किया है।

मर्यादित मोह ही धर्म है: मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज

अशोकनगर में गूंजी 'जियो और जीने दो' की गूंज; गौ-अस्पताल में स्थापित होगी एक्स-रे मशीन

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

महानगर के सुभाषगंज क्षेत्र में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए दया भावना प्रेरक मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज ने जीवन के मर्म और वास्तविक भक्ति पर प्रकाश डाला। मुनि श्री ने कहा कि धर्म मोह को पूरी तरह छोड़ने का नाम नहीं, बल्कि मोह को सभ्य, अनुशासित और मर्यादित बनाने की प्रक्रिया है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का आदर्श

मुनि श्री ने रामायण का दृष्टांत देते हुए कहा कि जगत को अनुशासित प्रेम करना मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम चन्द्र जी ने ही सिखाया। उन्होंने बताया कि हमें किससे कितना मोह और प्रेम करना है, यह भगवान राम के जीवन का प्रत्येक वृत्तांत हमें सिखाता है। मुनि श्री ने प्रेरणा दी कि हमें सांसारिक मोह के स्थान पर भगवान और पंच परमेष्ठी से अनुराग करना चाहिए। जब मोह मर्यादित होता है, तभी व्यक्ति के भीतर आत्मबल का संचार होता है।

''महान बनने के लिए बाहरी वैभव की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने भीतर के गुणों को पहचान कर उन्हें प्रकट करना ही वास्तविक महानता है।'':

मुनि श्री अविचल सागर जी

गौ-सेवा हेतु अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने जानकारी दी कि मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज देशभर में उस सेवा की प्रेरणा दे रहे हैं, जिस ओर सामान्यतः समाज का ध्यान नहीं जाता। पद विहार

के दौरान मुनि श्री ने सड़क पर घायल गायों की पीड़ा को अनुभव किया और समाज को उनके उपचार हेतु सक्रिय किया। इसी प्रेरणा के फलस्वरूप, दया भावना फाउंडेशन द्वारा अशोकनगर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित 'आचार्य विद्यासागर गौ-अस्पताल' में शीघ्र ही एक एक्स-रे मशीन (छायाचित्र यंत्र) स्थापित की जाएगी। इस हेतु पंचायत समिति के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया है। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, सुनील अखाई और दया भावना टीम के सदस्यों ने मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

जगत कल्याण हेतु महाशांतिधारा

प्रत्येक जीव की सुख-समृद्धि की मंगल भावना के साथ मुनि श्री के मुखारविंद से 'जगत कल्याण' हेतु महाशांतिधारा के बीज मंत्रों का वाचन किया गया। मंत्री शैलेंद्र श्रागर ने बताया कि भगवान महावीर जन्म जयंती तक प्रतिदिन इस वृहद शांतिधारा का आयोजन किया जाएगा।

मन की शांति और आत्म-कल्याण

मुनि श्री ने धर्मसभा में स्पष्ट किया कि जिसने सुख-वैभव का त्याग कर वीतरागता धारण कर ली है, ऐसे महापुरुषों की कृपा पाने के लिए मन को शांत करना अनिवार्य है। जब मन शांत होता है, तभी आत्मा कल्याण की ओर सार्थक प्रयास कर पाती है। उन्होंने पाखंड और निंदा का त्याग कर स्वयं को जिनेंद्र भगवान के चरणों में अर्पित करने का आह्वान किया।

टीएसए इंटरनेशनल स्कूल का कीर्तिमान

10वीं बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों ने लहराया सफलता का परचम

रावतसर. शाबाश इंडिया

क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के पर्याय बन चुके 'टीएसए इंटरनेशनल स्कूल' (द साइंस एकेडमी) ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10वीं के घोषित परिणामों में एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर न केवल संस्थान, बल्कि संपूर्ण क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

मेधावी छात्र-छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

परीक्षा परिणामों में विद्यालय के छात्र आर्यन ने 96.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं, जय ने 96.50 प्रतिशत और झलक ने 96.33 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपनी अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय रहा कि यहाँ का प्रत्येक चौथा विद्यार्थी 91 प्रतिशत से अधिक अंक लाने में सफल रहा। कुल 11 विद्यार्थियों ने 91 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त कर विद्यालय की सुदृढ़ शैक्षणिक नींव का प्रमाण दिया है। इस ऐतिहासिक सफलता के पश्चात विद्यालय परिसर में हर्ष और उल्लास का वातावरण रहा। संस्थान के निदेशक सुरेंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को और भी स्मरणीय बनाने के लिए एक अनूठी पहल की। उन्होंने स्वयं प्रत्येक मेधावी विद्यार्थी के घर पहुँचकर उन्हें और उनके परिजनों को मिष्ठान खिलाकर हार्दिक बधाई दी। निदेशक की इस आत्मीयता ने न केवल विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि अभिभावकों को भी गौरवान्वित किया।

खान-पान और संस्कारों से ही सुधरेगा जीवनः प्रसन्न सागर महाराज

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। बाहुबली कॉलोनी स्थित सुमतिनाथ जिनालय में विराजमान राष्ट्र गौरव, संत अंतर्मना श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ने अपने प्रवचनों में समाज को जीवन के कड़वे सत्य और वर्तमान विकृतियों से अवगत कराया। उन्होंने व्यंग्य और उदाहरणों के माध्यम से दोहरी मानसिकता और बिगड़ती जीवनशैली पर तीखा प्रहार किया। समाज प्रवक्ता महेंद्र कवालिया के अनुसार, गुरुदेव ने कहा कि आज संवेदनाएं स्वार्थ तक सीमित हो गई हैं। ''अपना बेटा रोए तो दिल दुखता है, पर दूसरे का रोए तो सिर दुखता है।'' उन्होंने सावधान करते हुए कहा कि यह समय सजग रहने का है, हर परिस्थिति में विवेक आवश्यक है। स्वास्थ्य पर बोलते हुए गुरुदेव ने कहा कि आज इंसान शुगर, बीपी और कैंसर जैसी बीमारियों से घिरा है, जबकि जानवर अपेक्षाकृत स्वस्थ हैं। इसका मुख्य कारण गलत खान-पान और नशे की आदतें हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शरीर की आवश्यकता सीमित है, लेकिन मन की इच्छाएं अनंत हैं। संस्कारों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता की सेवा ही सच्ची कमाई है। ''जो प्राप्त है, वही पर्याप्त है'' इस मंत्र को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। प्रवचन के अंत में उन्होंने जीवन की सरल परिभाषा देते हुए कहा कि जो अतीत में जीते हैं वे बुजुर्ग, जो भविष्य में खोए हैं वे बच्चे, और जो वर्तमान में कर्म करते हैं वही सच्चे युवा हैं। उन्होंने सभी से धर्म, संयम और संतुलित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम पर 47 विद्यार्थियों व शिक्षकों का सम्मान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, रायपुर में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था द्वारा 40 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रधान नवीन कुमार बाबेल ने की। विद्यालय का परीक्षा परिणाम स्थानीय परीक्षाओं के साथ-साथ कक्षा 10, 8 और 5 में शत-प्रतिशत रहा। विशेष रूप से कक्षा 8 और 5 के सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। उत्कृष्ट परिणाम देने में योगदान के लिए शिक्षकों हरदेव लाल गुर्जर, कैलाश रावल, पवन काबरा, रवि टेलर, सीमा कुमारी मंडोवरा, रतन कुमारी जाट एवं दीपिका त्रिवेदी को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अभिभावक, भामाशाह एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भामाशाहों द्वारा विद्यालय को इलेक्ट्रिक बेल भेंट करने की घोषणा भी की गई।

साहित्य शिरोमणिः कवि राधा किशन सैनी को राजस्थान ब्रजभाषा साहित्यकार सम्मान 2026

श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर के प्रतिष्ठित जवाहर कला केंद्र में आयोजित भव्य राजस्थान दिवस महोत्सव के अंतर्गत साहित्य जगत के एक जाज्वल्यमान नक्षत्र को सम्मानित किया गया। 'राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी', 'जवाहर कला केंद्र' और 'अरु पोद्दार संस्थान, मानसरोवर' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में कंजौली गाँव निवासी प्रख्यात कवि और साहित्यकार राधा किशन सैनी को 'राजस्थान ब्रजभाषा कवि एवं साहित्यकार सम्मान 2026' से विभूषित किया गया।

भव्य सम्मान समारोह और विशिष्ट अतिथि

जवाहर कला केंद्र के 'रंगायन' सभागार में आयोजित इस भव्य समारोह में विधायक गोपाल लाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथियों के रूप में राजस्थान संस्कृत अकादमी की सचिव डॉ. लता श्रीमाली, राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी की प्रशासक एवं जयपुर संभागीय आयुक्त श्रीमती पूनम, और पोद्दार संस्थान के अध्यक्ष डॉ. आनंद पोद्दार ने समारोह की गरिमा बढ़ाई।

सम्मान और अभिनंदन

अतिथियों ने कवि राधा किशन सैनी को ब्रजभाषा और साहित्य के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट और अतुलनीय योगदान हेतु आधिकारिक अवार्ड, प्रशस्ति-पत्र, प्रतीक चिह्न और मेवाड़ी परंपरा का दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। सभागार में उपस्थित साहित्य प्रेमियों और गणमान्य जनों ने करतल ध्वनि से उनका अभिनंदन किया।

यदुवंशी सैनी समाज द्वारा बधाइयां

कवि सैनी के इस प्रतिष्ठित सम्मान से विभूषित होने पर यदुवंशी सैनी समाज (पाल 12 गाँव) में हर्ष की लहर दौड़ गई है। समाज के अध्यक्ष और पार्षद रामेश्वर सैनी तथा उनकी संपूर्ण कार्यकारिणी ने कवि सैनी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि हेतु हार्दिक बधाइयां प्रेषित की हैं और इसे संपूर्ण समाज के लिए गौरव का क्षण बताया है।

शतरंज की बिसात पर बुद्धि का कौशल: मधु विद्यालय में इंटरनेशनल मास्टर यश भराड़िया का जलवा

40 पटलों पर एक साथ 80 विद्यार्थियों को दी मात; 'नेत्रहीन खेल' से किया मंत्रमुग्ध

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर के हीरापथ स्थित 'मधु सीनियर सेकेंडरी स्कूल' में वाणी चेस क्लब द्वारा संचालित निःशुल्क शतरंज कक्षाओं के अंतर्गत आज एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला। राजस्थान के एकमात्र सक्रिय 'इंटरनेशनल मास्टर' (अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ) यश भराड़िया ने अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए एक साथ 40 पटलों (बोर्ड) पर 80 से अधिक बच्चों के साथ खेलकर उन्हें 'चेकमेट' (शह और मात) किया।

गौरवमयी उपलब्धि और मार्गदर्शन

करोड़ों की जनसंख्या वाले राजस्थान जैसे विशाल राज्य से 'इंटरनेशनल मास्टर' का प्रतिष्ठित खिताब हासिल करना अपने आप में एक कीर्तिमान है। यश भराड़िया का विद्यार्थियों के बीच उपस्थित होकर उनका मार्गदर्शन करना न केवल गर्व का विषय रहा, बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने का एक सुनहरा अवसर भी सिद्ध हुआ।

नेत्रहीन खेल (ब्लाइंडफोल्ड): एकाग्रता का अद्वितीय उदाहरण

कार्यक्रम का सबसे विस्मयकारी क्षण वह था, जब यश भराड़िया ने आँखों पर पट्टी बाँधकर शतरंज खेला। उन्होंने बिना देखे चालें चलकर विद्यार्थियों को मानसिक एकाग्रता, तीव्र स्मरण शक्ति और बौद्धिक क्षमता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके इस प्रदर्शन ने उपस्थित सभी जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अतिथियों का भव्य अभिनंदन

वाणी चेस क्लब के अध्यक्ष जिनेश कुमार जैन एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्र सिंह हिंगड़ द्वारा यश भराड़िया सहित जयपुर जिला शतरंज संघ के महामंत्री जयंत चतुर्वेदी, अभिभावक संघ के अध्यक्ष अमित गुप्ता और ललित

भराड़िया का माल्यार्पण कर एवं भगवान महावीर स्वामी का चित्र भेंट कर भव्य स्वागत किया गया।

प्रशंसनीय पहल और भविष्य की दिशा

कार्यक्रम का मंच संचालन समाजसेविका इंदिरा बड़जात्या एवं सुनील गंगवाल द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। वरिष्ठ प्रशिक्षक विक्रम सिंह, अधिवक्ता पीयूष शर्मा और वाणी जैन के विशेष सहयोग से यह आयोजन सफल रहा। अभिभावकों और प्रबुद्ध जनों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि वाणी चेस क्लब का यह प्रयास बच्चों को 'मोबाइल' (दूरभाष यंत्र) की लत से दूर कर उन्हें मानसिक रूप से सशक्त, अनुशासित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL
प्रायोजक समाचार जगत
श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिग. जैन समाज समिति, जयपुर
द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
रविवार 29 मार्च 2026
प्रातः 9 से 2 बजे तक
स्थान : केसर इंटरनेशनल एकेडमी सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
केसर चौराहा, मुहाना मंडी रोड, मानसरोवर, जयपुर
7878659947, 9829034031
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिग. जैन समाज समिति
अध्यक्ष : अजय गोधा, मंत्री : विनय जैन
सा.मंत्री : विनीत जैन, कोषाध्यक्ष : भूपेंद्र जैन
श्री दिगम्बर जैन समाज समिति दादूदयाल नगर मानसरोवर, जयपुर
संरक्षक : अजित कुमार सेठी, अध्यक्ष : सी.एम. जैन
उपाध्यक्ष : दान कुमार जैन, मंत्री : विनीत जैन छाबड़ा
: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या
सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंगया
सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

'ग्रुप तीर्थंकर' की प्रथम बैठक संपन्न

भक्ति और उल्लास के साथ नई कार्ययोजना पर चर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया

'दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर, जयपुर' के नवीन सत्र की प्रथम बैठक दुर्गापुरा स्थित श्री चंद्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर में अत्यंत गरिमामयी वातावरण में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी सदस्यों द्वारा भगवान चंद्रप्रभ के चरणों में नमोकार मंत्र के सामूहिक पाठ और सुमधुर भक्तामर स्तोत्र के गायन के साथ हुआ।

सांस्कृतिक एवं मांगलिक आयोजन

समारोह में चित्र अनावरण श्रीमती वीणा जैन द्वारा तथा दीप प्रज्ज्वलन श्रीमती नवरत्न ठोलिया द्वारा किया गया। इसके पश्चात डॉ. शांति जैन 'मणि' एवं महिला मंडल की सदस्याओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' ने सभी आगंतुक सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया। आयोजन के दौरान धार्मिक प्रश्नमंच और विभिन्न क्रीड़ाओं (खेलों) का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही मार्च माह में जन्मे एवं विवाहित सदस्यों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया।

नवीन कोषाध्यक्ष की घोषणा

बैठक के मुख्य चरण में भक्तामर के 26वें श्लोक के वाचन के उपरांत ग्रुप की आगामी गतिविधियों पर चर्चा हुई।

महावीर जी और चांदखेड़ी में आयोजित होने वाले आगामी अधिवेशनों में सहभागिता हेतु सदस्यों ने अपने विचार साझा किए। वर्तमान कोषाध्यक्ष के अस्वस्थ होने के कारण, सर्वसम्मति से श्रीमती शशि जैन को इस वर्ष का नवीन कोषाध्यक्ष घोषित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ इस निर्णय का स्वागत किया। अंत में सचिव सुरेश गंगवाल ने सभी को सुरुचिपूर्ण भोजन हेतु आमंत्रित किया और अध्यक्ष डॉ. मणि ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जैन छात्र-छात्राओं ने मारी बाजी, उत्कृष्ट परिणाम से समाज गौरवान्वित

निवाई. शाबाश इंडिया। इमानुएल मिशन सीनियर सेकेंडरी स्कूल एवं सृष्टि स्कूल, निवाई के दसवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में जैन समाज के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गौरव बढ़ाया है। छात्र कनिष्क जैन (पिता राकेश जैन संघी) ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि सार्थक जैन (पुत्र पदमचंद पाटनी) ने 90 प्रतिशत अंक हासिल किए। वहीं सक्षिका जैन (पुत्री देवेन्द्र जैन) ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की और नेहल जैन पाटनी (पुत्री विमल जौंला) ने ए ग्रेड अंक प्राप्त कर अपने माता-पिता का नाम रोशन किया। इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में जैन समाज के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट परिणाम देकर समाज का मान बढ़ाया है। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया। उत्कृष्ट परिणाम की खबर से जैन समाज में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज, वैज्ञानिक धर्माचार्य आचार्य कनकनन्दी जी महाराज, वात्सल्य मूर्ति आचार्य पदमनन्दी जी महाराज सहित अनेक दिगम्बर जैन साधु-साध्वियों ने आशीर्वाद प्रदान किया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

रोटरी क्लब जयपुर नोर्थ एवं भारतीय जैन मिलन, जयपुर

न्यू आतिश मार्केट एसोसिएशन, सन्नी मार्ट व्यापार मण्डल एवं नवकार किचन एण्ड इन्टीरियर द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

शनिवार 28 मार्च 2026
प्रातः 9 से 1 बजे तक

स्थान : नवकार किचन एण्ड हार्डवेयर
शॉप नं. 22, सन्नी मार्ट, न्यू आतिश मार्केट, जयपुर
Contact : Anil Jain # 9530297446

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

रोटरी क्लब जयपुर नोर्थ
अध्यक्ष : अनिल जैन, सचिव : प्रतीक जैन
क्लब मैन्टोर : डॉ. अर्चना शर्मा
न्यू आतिश मार्केट एसोसिएशन : अध्यक्ष : विष्णु कूलवाल
सन्नी मार्ट व्यापार मण्डल : अध्यक्ष : सुरेश सिंह

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : दर्शन-विनीता बाकलीवाल
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल रांवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, नि. अध्यक्ष : राजेश-सीमा बड़जात्या
सचिव : नीरज-रेखा जैन, कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, नि. अध्यक्ष : मनीष-शोभना लोंग्या
सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा, कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

मुख्य संयोजक : सुनीता जैन, अनिता जैन, महेश मंगल, तरुण जैन, रिषी जैन
संयोजक : अनिल-हेमा मण्डोत, विनायक शर्मा, कनिका शर्मा, अनिता बारदार, प्रगीत-प्रीती सोगाणी, प्रमोद-सोनल जैन, धनकुमार-अंजना जैन
अंकित-रुचि खण्डेलवाल, प्रवीण जैन, राजेन्द्र गुप्ता, हार्दिक जैन, पीयूष जैन, अमित बिंदल, मुरलीधर प्रजापत, तनुज जैन, दिनेश गुप्ता, लक्ष्मण अड़वानी, नन्दकिशोर नरयानी, राहुल जैन, अजय जैन, प्रेरणा यादव, शुभम् माहेश्वरी, पण्डित देवेन्द्र शर्मा, संदीप गुप्ता, संजय इसरानी, अभय गुप्ता

क्या आधुनिक पीढ़ी दिशाहीन है?

वर्तमान समय में अक्सर यह प्रश्न उठता है कि क्या आधुनिक पीढ़ी वास्तव में दिशाहीन हो गई है। तकनीक, तेज जीवनशैली और बदलते सामाजिक मूल्यों के बीच यह चर्चा और भी प्रासंगिक हो जाती है। एक ओर युवा वर्ग नई ऊँचाइयों को छू रहा है, वहीं दूसरी ओर उस पर दिशा खोने के आरोप भी लगाए जाते हैं। ऐसे में इस विषय को संतुलित दृष्टिकोण से समझना आवश्यक है। आधुनिक पीढ़ी को पूरी तरह दिशाहीन कहना उचित नहीं होगा। आज के युवा शिक्षा, तकनीक, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। वे अपने सपनों को साकार करने के लिए परिश्रम कर रहे हैं, आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हैं और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं। स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल प्लेटफॉर्म और नई सोच इस पीढ़ी की सकारात्मक दिशा को दर्शाते हैं। हालाँकि, यह भी सत्य है कि कुछ हद तक भ्रम और भटकाव की स्थिति देखने को मिलती है। सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, त्वरित सफलता की चाह तथा भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर बढ़ता आकर्षण कई युवाओं को अस्थिर कर देता है। सही मार्गदर्शन का अभाव और पारिवारिक संवाद में कमी भी इस समस्या को बढ़ाते हैं। परिणामस्वरूप, कुछ युवा अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं। इसके बावजूद, यह कहना कि पूरी आधुनिक पीढ़ी दिशाहीन है, एक अतिशयोक्ति होगी। हर युग अपनी चुनौतियों के साथ आता है और प्रत्येक पीढ़ी उनसे संघर्ष कर आगे बढ़ती है। आज के युवाओं में ऊर्जा, क्षमता और परिवर्तन लाने की अद्भुत शक्ति है। यदि उन्हें सही दिशा, प्रेरणा और संस्कार मिलें, तो वे समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समाज, परिवार और शिक्षा प्रणाली की यह जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान करें। उन्हें केवल आलोचना नहीं, बल्कि विश्वास और अवसर भी देना चाहिए। साथ ही, युवाओं को भी आत्मचिंतन कर अपने जीवन के उद्देश्य को स्पष्ट करना चाहिए। निष्कर्षतः, आधुनिक पीढ़ी पूरी तरह दिशाहीन नहीं है, बल्कि उसे सही दिशा और संतुलन की आवश्यकता है। यदि यह संतुलन स्थापित हो जाए, तो यही पीढ़ी भविष्य का उज्ज्वल आधार बनेगी।

अनिल माथुर
ज्वाला विहार, जोधपुर

महावीर इंटरनेशनल ने राजकीय चिकित्सालय में वितरित किए 'नवजात सुरक्षा किट'

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

'सबकी सेवा, सबको प्यार' और 'जियो और जीने दो' के पावन आदर्शों पर चलते हुए सामाजिक संस्था 'महावीर इंटरनेशनल' (वीर, वीरा एवं युवा केंद्र) द्वारा कुचामन सिटी के राजकीय चिकित्सालय में सामाजिक सरोकार का सराहनीय कार्य किया गया। संस्था की ओर से नवजात शिशुओं को संक्रमण से बचाने हेतु 'स्वच्छता सुरक्षा किट' (हाइजेनिक बेबी किट) का वितरण किया गया। युवा केंद्र के अध्यक्ष आनंद सेठी ने जानकारी दी कि संस्था द्वारा चिकित्सालय में वर्ष भर नवजात बच्चों के स्वास्थ्य की दृष्टि से इन किटों का निरंतर वितरण किया जाता है। इस अवसर पर चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. कल्पना गुप्ता, संस्था अध्यक्ष रामावतार गोयल और वीरा अध्यक्ष सरोज पाटनी ने उपस्थित रहकर सेवा कार्य को गति दी। इस पुनीत कार्य के दौरान आशा सेठी, सचिव अजीत पहाड़िया, विकास-नीतू पाटनी, सुशीला, मनीषा, कल्पना, नेहा पहाड़िया, रॉबिन, अर्पित, नरेश झांझरी सहित सुरेश और सुभाष गंगवाल उपस्थित रहे। चिकित्सालय प्रशासन की ओर से रेशम कंवर, संगीता कुमावत और शांति परिहार ने संस्था के इस सेवाभावी प्रयास की सराहना करते हुए सहयोग प्रदान किया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL
प्रायोजक समाचार जगत
ARL Infratech Ltd.
द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
शुक्रवार 27 मार्च 2026
प्रातः 9 से 1 बजे तक
Venue : ARL Infratech Ltd.
Village Dhami Khurd, Bagru, N.H-8 Ajmer Hiway
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
:: सम्पर्क ::
श्री मधु थानवी
9413338479
: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

नवागढ़ में गूँजी जिनवाणी की गूँज: प्राचीन जैन ग्रंथों के संरक्षण हेतु दो-दिवसीय कार्यशाला संपन्न

देशभर के शोधार्थियों ने लिया भाग; जैन साहित्य के वैज्ञानिक प्रबंधन का लिया संकल्प

ललितपुर. शाबाश इंडिया

ऐतिहासिक और प्रागैतिहासिक महत्व की धरा नवागढ़ में संग्रहित दुर्लभ एवं अनुपलब्ध जैन ग्रंथों के संरक्षण हेतु 'जिनवाणी संरक्षण एवं प्रबंधन समिति, सागर' के तत्वावधान में आयोजित दो-दिवसीय कार्यशाला का गरिमामय समापन हुआ। यह आयोजन 'प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाबचंद पुष्प पुस्तकालय' में संपन्न हुआ, जिसमें प्राचीन ज्ञान संपदा को सहेजने की नई कार्ययोजना तैयार की गई।

विशेषज्ञों का सान्निध्य और सहभागिता

क्षेत्र कमेटी के प्रचारमंत्री डॉ. सुनील जैन 'संचय' ने जानकारी दी कि कार्यशाला का संयोजन काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष (डिप्टी लाइब्रेरियन) डॉ. संजीव सराफ के कुशल निर्देशन में किया गया। इस कार्यशाला में पुस्तकालय विज्ञान के अनुभवी अधिकारियों, शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। ग्वालियर, विदिशा, लखनऊ, सागर, छतरपुर और टीकमगढ़ जैसे विभिन्न नगरों से आए विद्वानों ने जिनवाणी संरक्षण के इस पुनीत कार्य में अपना सक्रिय योगदान दिया।

ग्रंथों का वैज्ञानिक वर्गीकरण एवं प्रबंधन

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने नवागढ़ में संरक्षित विशाल साहित्य—जिसमें इतिहास, ज्योतिष, वास्तु, अध्यात्म और चारों अनुयोग (प्रथमानुयोग, करणानुयोग, चरणानुयोग एवं द्रव्यानुयोग) सम्मिलित हैं—का सुव्यवस्थित वर्गीकरण एवं नामांकन प्रारंभ किया। इसके अतिरिक्त, आचार्य विद्यासागर जी महाराज, मुनि श्री प्रमाणसागर जी एवं अन्य प्रतिष्ठित साधु-साध्वियों के साहित्य को भी आधुनिक ग्रंथालय मानकों के अनुसार व्यवस्थित किया गया।

नवागढ़: प्राचीन भारतीय कला का अनूठा केंद्र

डॉ. संजीव सराफ ने नवागढ़ की संपदा की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ संरक्षित सामग्री अन्यत्र दुर्लभ है। उन्होंने बताया कि

लगभग 8,000 वर्ष प्राचीन शैलचित्र, गुप्तकालीन उत्कीर्ण कलाकृतियाँ, काष्ठ निर्मित मानस्तंभ और पाषाणकालीन उपकरण नवागढ़ की गौरवशाली परंपरा के जीवंत प्रमाण हैं। सातवीं शताब्दी की प्रतिमाएँ यहाँ के ऐतिहासिक महत्व को वैश्विक स्तर पर स्थापित करती हैं।

आध्यात्मिक अनुष्ठान और संकल्प

इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को अतिशयकारी भगवान अरनाथ के अभिषेक, पूजन और मंगल आरती का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यशाला के माध्यम से जिनवाणी संरक्षण का जो वैज्ञानिक कार्य प्रारंभ हुआ है, उसे भविष्य में 'संगणकीकृत एवं वर्गीकृत प्रणाली' के रूप में विकसित किया जाएगा। अंत में, क्षेत्र निर्देशक ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत, महामंत्री वीरचंद्र जैन और गुरुकुल के विद्यार्थियों ने सभी शोधार्थियों का आभार व्यक्त किया। सभी प्रतिभागियों ने भविष्य में पुनः नवागढ़ आकर इस ज्ञान यज्ञ में अपनी सेवाएँ निरंतर प्रदान करने का दृढ़ संकल्प लिया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.
प्रायोजक समाचार जगत
A.D. Enterprises (ADEN)
द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
शुक्रवार 27 मार्च 2026
दोपहर 4 से 7 बजे तक
Venue : A.D. Enterprises (ADEN)
204, 4th Floor, Giriraj Tower, Muhana Mandi Road, Jaipur
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
आयोजक :
श्री नितिन जैन, श्री समकित जैन
दीप प्रज्जवलन कर्त्ता :
श्री आर. के. जैन
: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल रावँका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

जयपुर में भक्ति का शंखनाद: श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर का भव्य भूमि पूजन एवं शिलान्यास संपन्न

मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज के सान्निध्य में उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी के सी-स्कीम स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में बुधवार, 25 मार्च को एक नवीन इतिहास रचा गया। मंदिर के भव्य निर्माण हेतु आयोजित 'भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह' अत्यंत श्रद्धा, अटूट भक्ति और आध्यात्मिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। यह पावन आयोजन संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 विनम्र सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में आयोजित किया गया। मुनि श्री के मुखारविंद से उच्चारित मंत्रों और मांगलिक क्रियाओं के बीच शिलान्यास की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह ने भक्ति रस में सराबोर होकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

गणमान्य परिवारों की गरिमामयी उपस्थिति

धार्मिक आयोजन के प्रवक्ता संजय छाबड़ा के अनुसार, इस समारोह में जयपुर जैन समाज के अनेक प्रतिष्ठित परिवारों ने सहभागिता की। मुख्य रूप से आर.के. मार्बल समूह के श्री अशोक पाटनी एवं श्री सुरेश पाटनी अपने संपूर्ण परिवार सहित उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त दौलतमल पापड़ीवाल, दिनेश पपड़ीवाला, अरुण पापड़ीवाल, नीरू तोतूका, इंदिरा बक्शी, प्रवीण निगोतिया, चेतन जैन, राजकुमार टोंग्या, रानी की ठोलिया परिवार तथा प्रमोद पहाड़िया परिवार सहित अनेक गणमान्य जनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस भव्य आयोजन में 'दैनिक अभियान आज तक' के संपादक श्री संजय जैन ने भी सक्रिय रूप से सम्मिलित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण

आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक क्षण को एक दिव्य अनुभूति के रूप में अनुभव किया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक सिद्ध हुआ, बल्कि इसने समाज में एकता, सुदृढ़ संस्कारों और सनातन धर्म के प्रति अटूट समर्पण का एक सशक्त संदेश भी प्रसारित किया।

अभिनंदनोदय तीर्थ में ऐतिहासिक क्षण

25वें बाल ब्रह्मचारी पंकज भैया का संघ में प्रवेश

आचार्य श्री विद्यासागर जी के पश्चात अल्प समय में सर्वाधिक युवाओं के त्याग का बना कीर्तिमान

ललितपुर. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी ललितपुर स्थित 'अभिनंदनोदय तीर्थ' बुधवार को एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक घटना का साक्षी बना। परम पूज्य मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज के विशाल संघ में आज 25वें बाल ब्रह्मचारी के रूप में पंकज भैया का मंगल प्रवेश हुआ। ललितपुर के धर्मप्राण नागरिकों ने भव्य शोभायात्रा के साथ भैया का आत्मीय स्वागत किया और उनके वीतरागी मार्ग पर अग्रसर होने की हृदय से अनुमोदना की। इस पावन अवसर पर गुरुदेव श्री सुधासागर जी महाराज ने संघ के मर्यादित अनुशासन पर प्रकाश डालते हुए कहा, श्पंकज भैया दीर्घकाल से संघ में प्रवेश की पात्रता हेतु प्रयासरत थे। मैंने उन्हें सदैव यही परामर्श दिया कि यहाँ का अनुशासन अत्यंत कठोर है; अतः पहले स्वयं की सहनशक्ति का परीक्षण करें और अन्य ब्रह्मचारियों से इसके विषय में जानकारी लें। मैंने उन्हें भारत भ्रमण कर योग्य गुरु की खोज करने का भी अवसर दिया था। इस पर ब्रह्मचारी पंकज भैया ने अपनी दृढ़ता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने संपूर्ण आर्यावर्त का भ्रमण कर लिया है, किंतु उन्हें आत्म-कल्याण हेतु यही एकमात्र शरण श्रेष्ठ प्रतीत हुई है। अब वे जीवनपर्यंत इसी संघ की छत्रछाया में रहकर अपनी साधना पूर्ण करेंगे।

त्याग और वैराग्य का नया कीर्तिमान

आचार्य प्रवर श्री विद्यासागर जी महाराज के पश्चात यह देश का प्रथम ऐसा संघ बन गया है, जहाँ मात्र दो वर्ष की अल्प अवधि में 25 शिक्षित और युवा बाल ब्रह्मचारियों ने गृह-त्याग कर मुनि चर्या की ओर कदम बढ़ाए हैं। इन सभी युवाओं ने सांसारिक मोह-माया, निजी वाहन और 'दूरभाष यंत्र' (मोबाइल) का पूर्णतः त्याग कर दिया है। यद्यपि, गुरु की आज्ञा और धर्म प्रभावना हेतु वे आवश्यकतानुसार वाहन का प्रयोग कर सकेंगे।

भगवान महावीर के सिद्धांतों में समाहित है मानवता का कल्याण: आर्या अर्हंश्री माताजी

'जियो और जीने दो' एवं 'पंच महाव्रत' को बताया आधुनिक युग की अनिवार्य आवश्यकता

जयपुर. शाबाश इंडिया।
राजधानी के जनकपुरी (ज्योति नगर) स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे मंगल प्रवास के दौरान श्रमणी आर्या अर्हंश्री माताजी ने भगवान महावीर के कालजयी सिद्धांतों पर गंभीर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ''जियो और जीने दो'' का अमर संदेश केवल एक धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के अस्तित्व का मूल आधार और जीवन जीने की एक श्रेष्ठ कला है।

वैश्विक शांति का मार्ग: जियो और जीने दो

माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस सिद्धांत का वास्तविक अर्थ स्वयं शांति और स्वतंत्रता से जीना तथा अन्य सभी प्राणियों को भी उनके उसी प्राकृतिक अधिकार के साथ जीने देना है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आज के युग में बढ़ती असहिष्णुता और द्वेष के समाधान हेतु महावीर का अहिंसा दर्शन ही एकमात्र विकल्प है। यह विचार हमें न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और वाचिक हिंसा से भी दूर रहने की प्रेरणा देता है। मानव जीवन को पवित्र और अनुशासित बनाने हेतु माताजी ने भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित 'पंच महाव्रतों' की व्याख्या की:
अहिंसा: मन, वचन और कर्म से किसी भी जीव को सूक्ष्म कष्ट भी न पहुँचाना।
सत्य: हर परिस्थिति में सत्य का साथ देना और मधुर वाणी बोलना।
अस्तेय: बिना अनुमति किसी की वस्तु ग्रहण न करना और दूसरों के अधिकारों का हनन न करना।
ब्रह्मचर्य: अपनी इंद्रियों और मन पर नियंत्रण रख अनुशासित जीवन व्यतीत करना।
अपरिग्रह: अनावश्यक वस्तुओं के संग्रह और लोभ का त्याग कर सादगी अपनाना।